अध्याय - 5 | शूराः वयं धीराः वयम्

QUIZ PART-03

1. **वयं सर्वे भारतीयाः कीदृशाः स्मः?**
   A. शूराः वीराः धैर्यशालिनः च
   B. आलसिनः दुःखिनः च
   C. भीताः दुर्बलाः च
   D. क्रोधिनः अशान्ताः च (A)

व्याख्या : पाठ के भावार्थ में स्पष्ट कहा गया है कि हम सब भारतीय शूर, वीर और धैर्यशाली हैं। इससे भारतीयों के साहस, पराक्रम और धैर्य का बोध होता है।

2. **सर्वे भारतीयाः केन गुणेन युक्ताः सन्ति?**
   A. दोषशालिनः
   B. गुणशालिनः
   C. क्लेशशालिनः
   D. रोदनशीलाः (B)

व्याख्या : गीत के भावार्थ में भारतीयों को "गुणशालिनः" कहा गया है। इसका अर्थ है कि भारतीय श्रेष्ठ गुणों से युक्त होते हैं।

3. **वयं भारतीयाः बलसम्पन्नाः कथं उच्यन्ते?**
   A. बलशालिनः
   B. निर्बलाः
   C. रोगिणः
   D. मन्दगामिनः (A)

व्याख्या : पाठ में भारतीयों के लिए "बलशालिनः" शब्द प्रयुक्त हुआ है। इससे उनकी शक्ति, सामर्थ्य और दृढ़ता प्रकट होती है।

4. **"वयं दृढसंकल्पयुक्ताः" इत्यस्य भावः कः?**
   A. अस्थिरमनसः
   B. अटलनिश्चययुक्ताः
   C. विस्मृतिशीलाः
   D. भयाकुलाः (B)

व्याख्या : "दृढ़संकल्पयुक्ताः" का अर्थ है जिनका निश्चय अटल हो। यह मनोबल, लगन और लक्ष्य-प्राप्ति की भावना को दर्शाता है।

5. **वयं कीदृशाः सन्तः लोभात् दूरं तिष्ठामः?**
   A. लोभरहिताः
   B. लोभयुक्ताः
   C. कपटिनः
   D. स्पर्धालवाः (A)

व्याख्या : भावार्थ में स्पष्ट है कि हम "लोभरहिताः" हैं। इसका अर्थ है कि हमारे मन में लालच नहीं है और हम उच्च आदर्शों का पालन करते हैं।

6. **वयं जनानां सेवां कथं कुर्मः?**
   A. द्वेषेण
   B. उत्तमभावेन
   C. आलस्येन
   D. क्रोधेन (B)

व्याख्या : पाठ में कहा गया है कि हम भारतवासी उत्तम भाव से लोगों की सेवा करते हैं। इससे सेवा, सद्भाव और परोपकार की भावना व्यक्त होती है।

7. **अस्माकं हृदये किम् न सन्ति?**
   A. कपटभावना B. सद्भावना
   C. मैत्रीभावना D. करुणा (A)

व्याख्या : भावार्थ में कहा गया है कि हमारे हृदय में धन की अधिक कामना, सुखवासना और कपटभावना नहीं होती। इससे सादगी और निष्कपटता का संदेश मिलता है।

8. **तेजोयुक्ताः वयं कथं कार्यं कुर्मः?**
   A. उत्साहपूर्वकं दृढतया च
   B. भीत्या शनैः
   C. प्रमादेन
   D. केवलं विलम्बेन (A)

व्याख्या : पाठ के अनुसार हम भारतीय उत्साह और दृढ़ता के साथ कार्य करते हैं। यह कर्मठता, परिश्रम और आत्मविश्वास को दर्शाता है।

9. **युद्धक्षेत्रे वयं किं इच्छामः?**
   A. पराजयम्
   B. पलायनम्
   C. नीतिपूर्वकं विजयम्
   D. विश्रामम् (C)

व्याख्या : भावार्थ में स्पष्ट है कि भारतीय युद्धक्षेत्र में भी नीतिपूर्वक विजय चाहते हैं। इससे धर्म, न्याय और आदर्श आचरण की भावना व्यक्त होती है।

10. **अन्ते भगवतः समीपे का प्रार्थना क्रियते?**
    A. केवलं धनं प्रयच्छतु
    B. सर्वेषु कार्येषु उज्ज्वलं शुभं च विजयम् प्रयच्छतु
    C. केवलं सुखं ददातु
    D. विश्रामं ददातु (B)

व्याख्या : पाठ के अन्त में ईश्वर से यह प्रार्थना की गई है कि वह हमारे सभी कार्यों में उज्ज्वल, शुभ और विजयी फल प्रदान करे। यह मंगलमय जीवन और सफलता की कामना है।